Name: _____ Date: _____

अकबरी लोटा

प्रश्न-1 "लाला ने लोटा ले लिया, बोले कुछ नहीं, अपनी पत्नी का अदब मानते थे।" लाला झाऊलाल को बेढंगा लोटा बिलकुल पसंद नहीं था। फिर भी उन्होंने चुपचाप लोटा ले लिया। आपके विचार से वे चुप क्यों रहे? अपने विचार लिखिए।

उत्तर _____

_____

_____

_____

_____

प्रश्न-2 "लाला झाऊलाल जी ने फौरन दो और दो जोड़कर स्थिति को समझ लिया।" आपके विचार से लाला झाऊलाल ने कौन-कौन सी बातें समझ ली होंगी?

उत्तर _____

_____

_____

_____

_____

_____

https://educationwithfun.com/

अकबरी लोटा

प्रश्न-1 "लाला ने लोटा ले लिया, बोले कुछ नहीं, अपनी पत्नी का अदब मानते थे।" लाला झाऊलाल को बेढंगा लोटा बिलकुल पसंद नहीं था। फिर भी उन्होंने चुपचाप लोटा ले लिया। आपके विचार से वे चुप क्यों रहे? अपने विचार लिखिए।

उत्तर लाला झाऊलाल को बेढंगा लोटा बिलकुल पसंद नहीं था। फिर भी उन्होंने चुपचाप लोटा ले लिया क्योंकि वे अपनी पत्नी का अदब मानते थे। वे अपनी पत्नी के स्वभाव से भी अवगत थे इसलिए उन्होंने सोचा की अभी लोटे में पानी दिया है, तब भी गनीमत है, अभी अगर चूँ कर देता हूँ तो बाल्टी में भोजन न करना पड़े। यही सोच कर उन्होंने चुप रहना बेहतर समझा।

प्रश्न-2 "लाला झाऊलाल जी ने फौरन दो और दो जोड़कर स्थिति को समझ लिया।" आपके विचार से लाला झाऊलाल ने कौन-कौन सी बातें समझ ली होंगी?

उत्तर दो और दो जोडकर स्थिति को समझने का अर्थ है 'परिस्थिति को भाँप लेना'। लाला झाऊलाल एक चतुर व्यक्ति थे। लोटा गिरने पर गली में ज़ोर का हल्ला उठा और एक भारी भीड़ उनके आँगन में घुस आई। एक अंग्रेज को भीगे हुए तथा पैर सहलाते हुए देखकर वे समझ गए कि स्थिति गंभीर है और इस समय उनका शांत रहना ही ठीक है।

https://educationwithfun.com